Tender Heart High School, Sector - 33 - B, Chandigarh.

कक्षा - दसवीं
विषय - हिन्दी व्याकरण शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
पुस्तक - सरस हिन्दी व्याकरण - IX - X
उपविषय - निबंध

प्रत्येक मानव दूसरों पर अपने विचार प्रकट करने के लिए वाक्य बोलता है। जिस मानव को बोलने की कला भली-भाँति आती है, उसके वाक्य दूसरे पर प्रभाव डालते हैं। बोलने का उत्कृष्ट रूप भाषण देना है। इसमें विशेष योग्यता प्राप्त करने के लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है किन्तु लिखना बोलने से भी अधिक महत्त्व-पूर्ण होता है। लिखने में योग्यता प्राप्त करने के लिए भ्रमण, अध्ययन, मनन और अभ्यास अत्यन्त आवश्यक है।

छात्र जैसा कि जानते हैं कि आई. सी. एस. ई. बोर्ड परीक्षा में विभिन्न प्रकार के विषयों पर प्रस्ताव लिखने के लिए आते हैं। ये प्रस्ताव अधिकतर विचारात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, तथा वर्णनात्मक विषयों पर होते हैं, जिनके द्वारा विद्यार्थियों की भाषा, अनुभूति, कल्पनाशक्ति और ज्ञान की परीक्षा होती है।

प्रस्ताव में लेखक जीवन के अनुभवों, विचारों, घटनाओं, कथाओं, उद्धरणों एवं भावों आदि को अभिव्यक्त करता है। प्रस्ताव एक स्वतंत्र विधा है।

प्रस्ताव के अंग

प्रस्ताव के तीन अंग होते हैं -

1. भूमिका - इसमें प्रस्ताव के विषय का परिचय दिया जाता है। इसे संक्षिप्त व रोचक होना चाहिए, क्योंकि यदि प्रस्ताव का प्रारंभ अच्छा व सटीक होगा तो पूरा प्रस्ताव रुचिकर होगा।
2. विस्तार - इसे प्रस्ताव का मध्यभाग भी कहते हैं। इसमें पूरे प्रस्ताव को विस्तार से लिखा जाता है। हर एक भाव तथा विचारों को छोटे-छोटे वाक्यों में अभिव्यक्त किया जाता है। इसमें क्रमबद्धता, व्यवस्था और मौलिकता होनी चाहिए।
3. उपसंहार - यह प्रस्ताव का अंतिम भाग होता है, जिसमें प्रस्ताव में वर्णित तथ्यों का संक्षेप में निष्कर्ष बताया जाता है। यह प्रस्ताव

का मूल तत्त्व होता है, यह प्रभावशाली होना चाहिए।

प्रस्ताव के भेद

1. वर्णनात्मक - इस प्रकार के प्रस्तावों में किसी स्थान, त्योहारों, प्रदर्शनी, प्राकृतिक दृश्यों, पर्यटन स्थलों, यात्रा, मेला, घटना आदि का वर्णन कलात्मकता से किया जाता है।
2. विवरणात्मक - इस प्रकार के प्रस्ताव में किसी विशेष घटना, संस्मरण एवं काल्पनिक घटनाओं आदि का वर्णन किया जाता है।
3. भावात्मक - ऐसे प्रस्तावों में मन के किसी भाव का भावपूर्ण वर्णन किया जाता है। मन में उठने वाले अनेक भाव है; जैसे - मित्रता, ईर्ष्या, निंदा, हास्य, क्रोध, प्रेम, राष्ट्रीयता आदि।
4. विचारात्मक - इन प्रस्तावों में विचारों और तर्क की प्रधानता रहती है। साहित्य, समाज, धर्म एवं दर्शन आदि का वर्णन लेखक अपने दृष्टिकोण से करता है।

प्रस्ताव लिखने के लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है। प्रस्ताव लिखना एक कला है, जो निरंतर अभ्यास से आती है। प्रस्ताव लिखते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वाक्य छोटे-छोटे हों तथा भावों को अभिव्यक्त करने में समर्थ हो। प्रस्ताव को प्रभावशाली बनाने के लिए विद्यार्थी विद्वानों के वचन, कविता आदि की कुछ पंक्तियाँ भी लिख सकते हैं।

गृहकार्य

* छात्र निम्नलिखित विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखेंगे।
* विषय - 'सादगी भी लोगों के दिलों में अमिट छाप छोड़ सकती है' कथन को ध्यान में रखते हुए अपने देश के किसी ऐसे व्यक्तित्व के विषय में लिखिए, जिन्होंने 'सादा जीवन उच्च विचार' को आधार मानकर अपना जीवन बिताया, आपके ऊपर उस व्यक्ति का प्रभाव किस प्रकार का रहा, यह भी स्पष्ट कीजिए।

(अध्यापिका द्वारा छात्रों को निबंध के विषय से संबंधित कुछ बातें बताई जा रही है। इसकी सहायता से छात्र निबंध को अच्छे ढंग से लिख सकेंगे।)

'सादा जीवन, उच्च विचार' जन सामान्य में प्रचलित एक सामान्य-सी सूक्ति है, लेकिन इसका अर्थ बहुत ही गहरा है। वास्तव में, यह जीवन को सफल और अर्थपूर्ण बनाने का रहस्य है। जिस व्यक्ति के आदर्श उच्च होते हैं, उसके विचार स्वत: ही उच्च हो जाते हैं। उच्च विचार वाले व्यक्ति ही आगे बढ़कर विश्व का नेतृत्व कर पाते हैं। सादगी व्यक्ति को उच्च विचारों की ओर अग्रसर करती है। महात्मा गाँधी, गौतम बुद्ध, स्वामी विवेकानन्द, डॉ० राजेंद्र प्रसाद, लालबहादुर शास्त्री, प्रेमचंद आदि कुछ ऐसे महान व्यक्ति हैं, जो 'सादा जीवन, उच्च विचार' की कसौटी पर खरे उतरते हैं। इन्होंने अपने जीवन में सादगी को अपनाया और अपने उच्च विचारों के कारण करोड़ों दिलों पर राज किया।

यदि हम भी अपने जीवन को प्रासंगिक बनाना और दूसरों की तुलना में ऊँचा उठना चाहते हैं, तो एकमात्र कसौटी 'सादा जीवन, उच्च विचार' है। आज हमारे समाज को 'सादा जीवन, उच्च विचार' में निहित आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता है, इसी में पूरे विश्व का कल्याण और उत्थान निहित है।

निर्देश

* छात्र सर्वप्रथम निबंध के विषय को ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे फिर सोच-विचार करके ही इसे लिखेंगे।
* सभी छात्र इस कार्य को अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।
* अभिभावकों से भी अनुरोध है कि वे इस कार्य को पूर्ण करवाने में अपने बच्चों की सहायता करें।